



# ऑफिस की लड़की की पहली चुदाई

“मेरा नाम सुनील है। मैंने अभी अपनी इंजीनियरिंग पूरी की है। मैं अब एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करता हूँ। जहाँ मैं काम करता हूँ वहाँ एक से एक लड़कियां आती हैं। मैं दिखने में बहुत आकर्षक हूँ, मैं जिम जाता हूँ इसलिए बढ़िया तंदुरुस्त शरीर बहुत ही आकर्षक है इसलिए ज्यादातर लड़कियां मेरी तरफ़

”  
[...] ...

Story By: (sandeepnain12)

Posted: Thursday, October 7th, 2004

Categories: [Office Sex](#)

Online version: [ऑफिस की लड़की की पहली चुदाई](#)

# ऑफिस की लड़की की पहली चुदाई

मेरा नाम सुनील है। मैंने अभी अपनी इंजीनियरिंग पूरी की है।

मैं अब एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करता हूँ।

जहाँ मैं काम करता हूँ वहाँ एक से एक लड़कियाँ आती हैं।

मैं दिखने में बहुत आकर्षक हूँ, मैं जिम जाता हूँ इसलिए बढ़िया तंदुरुस्त शरीर बहुत ही आकर्षक है इसलिए ज्यादातर लड़कियाँ मेरी तरफ़ आकर्षित हो जाती हैं।

मेरी कंपनी में एक बहुत ही सुंदर लड़की है जो मुझे अक्सर देखा करती थी लेकिन मैं उससे ज्यादा भाव नहीं देता था।

ऑफिस में मेरी सीट बहुत ही बढ़िया जगह पर थी, एकदम गर्ल्स टॉयलेट के सामने, इसलिए कई बार आती जाती लड़कियाँ मुझे देख कर मुस्कुरा देती थी क्योंकि मेरी नज़रें बहुत कुछ बयान करती थी।

एक दिन जब मैं ऑफिस से छुटी के वक्त जा रहा था अपनी गाड़ी में, तो अचानक उसी लड़की ने मुझे लिफ्ट के लिए हाथ दिया।

मैंने भी ताव में आकर गाड़ी रोक दी।

उसने कहा- आप मुझे मेट्रो स्टेशन तक छोड़ सकते हैं मैं बहुत जल्दी में हूँ।

मैंने कहा- ओके सिट!

वो मेरे साथ आकर बैठ गई।

वह उस दिन मेरा पसंदीदा काला टॉप नीली जींस पहन कर आई थी।

उसके उभार देख कर अचानक मैं थोड़ा ललचा सा गया था लेकिन मैंने ऐसा कुछ ज़ाहिर नहीं होने दिया।

उसके साथ बहुत मज़ाक किया, वो बहुत इम्प्रेस हो गई और जाते वक्त अपना फ़ोन नम्बर मुझे दे गई लेकिन मैंने उसे फिर भी कॉल नहीं किया।

अचानक एक दिन श्याम को मैंने देखा कि उसके नम्बर से मुझे कॉल आ रही है तो मैं हैरान रह गया।

मैं समझ नहीं पाया कि उसे मेरा नम्बर कहाँ से मिला।

मैंने कॉल उठाई तो कहने लगी- सुनील, आज मेरा बर्थडे है और मैंने एक पार्टी रखी है, अगर तुम थोड़ा टाइम निकाल कर घर पर आ सकते हो तो मुझे बहुत अच्छा लगेगा। तो मैंने कहा- आ तो जाता पर मुझे तुम्हारा घर नहीं पता, मैं कैसे आऊँगा।

वो कहने लगी- टेक माय एड्रेस!

उसने अपना एड्रेस बताया।

मैं टाइम पर पहुँच गया।

मैंने उसके दरवाजे की घंटी बजाई।

वो काला सूट पहने हुए थी और बेहद खूबसूरत लग रही थी।

मैंने कहा- हैप्पी बर्थडे रूही! यू आर लुकिंग गुड!

उसने मुझे अन्दर आने को कहा।

अन्दर आकर मैंने देखा कि अन्दर कोई नहीं है।

मैंने पूछा- और कोई नहीं है घर में ?

उसने कहा- मम्मी अभी बाहर गई है और पापा मेरे लिए कुछ सामान लेने गए हैं, आते ही होंगे।

फिर मैंने पूछा- और कोई तुम्हारा दोस्त नहीं आया तो कहने लगी कि आते ही होंगे।

आज उसे देख कर मैं मदहोश सा महसूस कर रहा था।

वो थोड़ी देर में मेरे लिए कुछ खाने को ले आई और मेरे पास आकर बैठ गई।

मैंने उससे फिर एक बार कहा कि आज तुम बहुत खूबसूरत लग रही हो !

इतना कहते ही वो मेरे पास आ गई और मुझे गाल पे किस करके बोली- थैंक्यू !

उसकी ये हरकत काम कर गई मैंने आव देखा न ताव और उसकी कमर में हाथ डाल कर उसे अपनी तरफ खींचा और एक किस उसके होंठों पर दे दी।

वो मेरी इस हरकत से एकदम घबरा गई और कहने लगी- ये तुम क्या कर रहे हो ?

मैंने कहा- रूही, तुम आज मुझे मत रोको !

और मैंने उससे एक और बार किस कर डाला।

वो मुझे दूर धकेलने लगी लेकिन उसके हुस्न का जादू सा मुझ पर चल गया था.

मैंने फट से उसकी चुचियों को पकड़ लिया और उसके होंठों को पागलों की तरह चूमने लगा।

अब वो भी मान गई उससे भी मज़ा आने लगा।

मैंने कहा- रूही डार्लिंग ! आइ लव यू !

उसने कहा- ये सब ठीक नहीं !

मैंने उसे पकड़ कर सोफे पर डाल दिया और झट से उसके बोंबों को दबाने लगा ।  
क्या टाइट चुचे थे, छेड़ते ही मज़ा आ गया ।

मैंने धीरे से अपना एक हाथ उसकी कमर से नीचे यौनमंडल में फंसा दिया ।  
वो सिहर उठी, उसके रोंगटे खड़े हो गए ।

अब उससे भी मज़ा आ रहा था ।  
मैंने मौका देखते ही उसकी मदमस्त गांड पर हाथ फेर दिया ।  
उसके जिस्म से एक अच्छी सी खुशबू आ रही थी ।

मैंने कहा- तुम्हें बुरा तो नही लगा रहा ना ?  
तो कहने लगी- मैंने तुमसे झूठ कहा था कि मेरा जन्मदिन है बल्कि मैं भी यही चाहती थी ।

मैं हस पड़ा और मैंने उसके यौनमंडल में ऊंगली घुसा दी लेकिन अब भी उसका कपड़े मेरे  
आड़े आ रहे थे ।

तो मैंने फट से उसकी सलवार नीचे को खींच दी ।

मैंने कहा तुम्हारे घर वाले तो नहीं आ जायेंगे ?  
वो बोली- मैंने सब सेटिंग कर रखी है वो दो दिन के लिए बाहर गए हैं जान !

अब मेरा रास्ता साफ़ था ।

मैंने उसकी कच्छी पर हाथ फेरना शुरू कर दिया ।  
उसे मज़ा आने लगा.

मेरा एक हाथ अब भी उसकी चुचियों पर था.  
मैंने उसका कमीज़ भी उतार दिया.

जैसे ही मैंने उसके बॉबो को देखा तो देखता ही रह गया। इतने बड़े गोल मटोल चुचे मैंने पहले नहीं देखे थे।

मैंने कहा- तुस्सी छा गए!

ये कहते ही वो हस पड़ी।

उसने काले रंग की पैन्टी पहनी थी।

मैंने उसके चुचों को मसलते हुए उसकी पैन्टी में हाथ डाल दिया।

वो पहले से उबाल में थी। उसकी योनि अकड़ के फूल चुकी थी जैसे किसी ने हवा भर दी हो।

मैंने हाथ फिराया तो थोड़ा सा पानी मेरे हाथ पर लग गया।

मेरा लंड खड़ा हो गया।

उसने भी हिम्मत करके मेरे लंड पर अपना हाथ रख दिया और सहलाने लगी।

वो एक नम्बर की झूठी और चुदक्कड़ लग रही थी मुझे।

अब मैंने खींच कर उसकी कच्छी उतार दी।

वाह! क्या बुर पायी थी उसने, एकदम गोरी साफ़।

मैंने उसके बदन को सहलाना शुरू कर दिया।

अब उससे मज़ा आने लगा तो मैंने भी अपने कपड़े उतार दिए।

वो मेरी बॉडी देख कर दंग रह गई कहने लगी- जैसी सोची वैसी ही पायी। तूने मुझ बहुत तड़पाया है सुनील राजा! आज मैं अपनी सारी प्यास बुझाऊंगी।

इतना कहकर उसने मेरा कच्छा नीचे खींच दिया और मेरा तडकता हुआ 7 इंच का लंड बाहर आ गया।

इतना मोटा लंड देख कर वो घबरा गई और कहने लगी- अब आएगा खेल में मज़ा !  
कहकर उसने मेरा लंड अपने मुह में लेकर चूसना शुरू कर दिया.

वाह, क्या मज़ेदार था वो पल !

वो मेरा लंड अपने हलक में भी ले जा रही थी.

मैंने भी उसके चुचे दबाना शुरू कर दिया आह ... ऊह... उम्म... सो गुड !  
और उसने मेरा लंड चूसना शुरू कर दिया ।

जब मैं बस झड़ने ही वाला था, तब मैंने उससे रोका.  
पर वो न रुकी और सारा रस पी गई.

मैंने भी उससे उठा कर लेटा दिया अब वो अपनी योनि खुजाने लगी ।  
मैं समझ गया और मैंने अपनी जीभ उसके योनि से सटा दी और उसके दाने को ज़ोर से  
चूसने लगा.  
उसकी तड़प बढ़ गई ।

वो अपने चूतड़ ऊपर नीचे करने लगी- हा ...येही ...हाँ ...बस यहीं ... मेरे राजा ...अब  
मेरे शरीर की आग बुझा दो अब नहीं रहा जाता आह ...ओह ...सुनील माय डीयर !

लेकिन मैं भी पूरा शैतान था इतनी आराम से नहीं माना, उसकी गांड में अब मैंने ऊँगली  
घुसा दी और चूत चाटता रहा ।

अब वो पागल हो गई और अपने चूतड़ हवा में झुलाने लगी ।

मैंने एक हाथ उसके मुंह में भी डाल दिया क्योंकि वो अब चिल्लाने लगी थी ।

वो शरबत बना के लायी थी मेरे लिए, मैंने उस पर नज़र गड़ाई और थोड़ा सा शरबत उसके

चुचों पर डाल दिया और पीने लगा ।

वो मेरी इस हरकत पर हस पड़ी, बोली- तुम बहुत किताबें पढ़ते हो क्या ?

मैंने कहा- बस जान तुम्हारे लिए !

वो हंस पड़ी ।

मैंने अब उससे सीधा लेटा दिया और अपना लंड उसकी चूत पर रख दिया ।

वो डर गई ।

मैंने कहा- डरो मत, मैं तुम्हारा ख्याल रखूँगा !

मैंने उसकी यौनमंडल पर अपना लंड फिराया और एक झटके से आधा लण्ड पेल दिया ।

वो चिल्लाने ही वाली थी कि मैंने उसके मुंह में अपना हाथ दांतों के बीच में डाल दिया और उसके कंधे पर हाथ रख कर एक और झटके के साथ अपना पूरा लंड अन्दर डाल दिया ।

ये करते ही उसकी चीख निकल गई और आँखों से आंसू बहने लगे ।

वो एक कुंवारी लड़की थी.

मैं तो यूंही उसे पुराना माल समझ रहा था ।

वो रोने लगी- इसस ... नही ... आ ..राम .. से !

मैंने अब अपना लंड बाहर निकाला तो उसकी चूत से बहुत सा खून बाहर आ गया ।

उसकी चूत एकदम लाल हो गई.

मैंने एक बार फिर उससे चोदना शुरू कर दिया ।

उसका शरीर अकड़ने लगा लेकिन उसके धक्के कम नही हुए- हाँ ..धीरे ...से !

मैंने उससे धीरे धीरे झुकाना शुरू कर दिया अपनी और और उसकी टांगों को अपने कंधे पर



रख दिया.

अब उसका दर्द बढ़ गया और मज़ा भी !

वो अपनी तरफ़ से धक्के लगाने लगी- हा ...हा ...हए...माँ ... मैं गई !

और इतना कह कर वो झड़ गई और थोड़ी देर में मैं भी ठंडा हो गया ।

वो मुझ पर गिर गई और मुझे चूमने लगी- आइ लव यू सुनील !

“आइ लव यू टु रूही ...” इतना कह कर मैंने उसे उल्टा लिटा दिया और उसके शरीर पर मालिश करने लगा.

वो फिर मुझ से लिपट गई, मेरा लंड फिर खड़ा हो गया.

मैंने उसे झुका दिया और उसके गांड पे थूक दिया.

“ये क्या कर रहे हो ?”

मैंने उसकी गांड को मसला तो उसे मज़ा आने लगा. मैंने अब अपना लंड उसकी गांड पर रखा और अन्दर घुसाना चाहा.

पर उसकी गांड बहुत टाइट थी आराम से नहीं घुस रहा था ।

मैं अब सीधा लेट गया और उससे ऊपर आने को कहा.

वो मान गई और उसने अपनी गांड मेरे लंड पे टिका दी.

वाह क्या जन्नत थी !

मैंने उससे रोक कर अपने आप से धक्के लगाने शुरू कर दिए.

उसे अब मैं बहुत अच्छा लग रहा था हम्म ...हम्म ...इस ...हम्म ...हा ..गर् ...हम्म .. इस !

और 15 मिनट में मैं झड़ गया.

उसके बाद हम दोनों ने साथ में शोवर लिया और मैं अपने घर चला गया।

## Other stories you may be interested in

### वंश चलाने के लिए दो बहनें चुद गयी- 1

सेक्स इन बस का मजा लिया मैंने स्लीपर बस में! मेरे केबिन में मेरे साथ एक लड़की थी. उससे मेरी सेटिंग कैसे हुई और मैंने उसे कैसे चोदा? पढ़ें इस कहानी में! दोस्तो, मेरा नाम शैलेश है और मैं भोपाल [...]

[Full Story >>>](#)

### बिना सोचे समझे बहन के पति से चुद गई- 2

Xxx जीजा सेक्स कहानी में मैं एक बार अपनी छोटी बहन के पति से चुद कर मजा ले चुकी थी. उसकी बेरहम चुदाई से मुझे मजा भी बहुत आया तो ... यह कहानी सुनें. नमस्कार दोस्तो, मैं सुधा फिर एक [...]

[Full Story >>>](#)

### मेरी आपा ने मुझसे अपनी चूत गांड मरवाई

बड़ी बहन Xxx कहानी में पढ़ें कि मेरा आपा को जब पता लगा कि मेरी गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप के बाद मुझे चूत नहीं मिल रही है तो उन्होंने मुझे अपनी चूत पेश कर दी. दोस्तो, आज मैं आपको अपनी सच्ची [...]

[Full Story >>>](#)

### बिना सोचे समझे बहन के पति से चुद गई- 1

Xxx साली चुदाई कहानी में पढ़ें कि एक बार मेरी छोटी बहन का पति मेरे घर आया. मैं बाथरूम में थी. मेरे पास सिर्फ तौलिया था. बमें बाहर कैसे निकली और क्या हुआ तब? यह अन्तर्वासना ऑडियो स्टोरी सुनें. नमस्ते, [...]

[Full Story >>>](#)

### गर्लफ्रेंड के साथ सेक्स की शुरुआत

हॉट GF Xxx स्टोरी मेरी क्लासमेट के साथ सम्बन्ध की है. वो बहुत सेक्सी टाइप थी. मैंने उसे प्रोपोज किया तो वो तुरन्त मान गयी. एक दिन वो घर में अकेली थी. दोस्तो, मैं कुणाल अपनी पहली कहानी लेकर आपके [...]

[Full Story >>>](#)

